

हिंदी विभाग

भारती महाविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय

विभागीय अंकेक्षण 2023 -2025

विभाग का परिचय



स्थापना वर्ष 1971

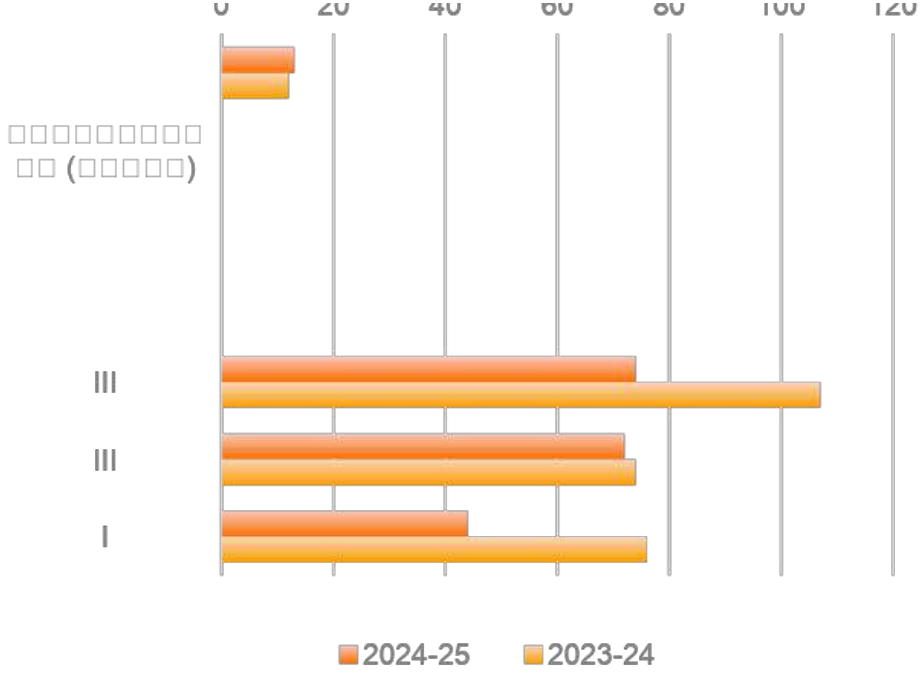
- भारती कॉलेज का प्रतिष्ठित हिंदी विभाग।
- 1977 में बी.ए (हिंदी विशेष) पाठ्यक्रम का प्रारंभ।
- 2002 में एम.ए (हिंदी) पाठ्यक्रम का प्रारंभ।

भारती कॉलेज का हिंदी विभाग छात्रों को भाषा और साहित्य से गहराई से जोड़ता है। यह विभाग प्राचीन और आधुनिक साहित्यिक रचनाओं का अध्ययन कराता है और छात्रों को आलोचनात्मक सोच और अभिव्यक्ति कौशल विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करता है। विभिन्न गतिविधियों जैसे रचनात्मक लेखन, वाद-विवाद, और नाटकों के माध्यम से छात्रों को भाषा को जीने का अवसर मिलता है। आज के रोजगार परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए, विभाग अनुवाद, पत्रकारिता जैसे क्षेत्रों में करियर के लिए भी छात्रों को तैयार करता है। कुल मिलाकर, यह विभाग छात्रों को न केवल साहित्य के प्रति संवेदनशील बनाता है, बल्कि उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने में भी मदद करता है।



छात्रों का नामांकन

बीए ऑनर्स (हिंदी)	2023-24	2024-25
I	55	38
II	74	55
III	70	43
स्नातकोत्तर (हिंदी)	2023-24	2024-25
	11	11



संचालित पाठ्यक्रम

- बी.ए हिंदी विशेष (सी.बी.सी.एस. तीन वर्षीय पाठ्यक्रम, सी.बी.सी.एस. एन.ई.पी. चार वर्षीय पाठ्यक्रम)
- एम.ए हिंदी (सी.बी.सी.एस. दो वर्षीय पाठ्यक्रम, सी.बी.सी.एस. एन.ई.पी नवीन पाठ्यक्रम)

अंतर अनुशासनिक पाठ्यक्रम

- बी.ए प्रोग्राम, बी.कॉम प्रोग्राम प्रथम और द्वितीय वर्ष हेतु MIL “हिंदी A, हिंदी B, हिंदी C (सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम)
- बी.ए.प्रोग्राम / बी.ए विशेष प्रथम वर्ष हेतु AECC “हिंदी योग्यता संवर्धक अनिवार्य पाठ्यक्रम” (सी.बी.सी.एस.)
- बी.ए प्रोग्राम द्वितीय और तृतीय वर्ष हेतु SEC “कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम ” (सी.बी.सी.एस.)
- बी.ए प्रोग्राम तृतीय वर्ष हेतु GENERIC “हिंदी सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम” (सी.बी.सी.एस.)
- बी.ए विशेष प्रथम एवं द्वितीय वर्ष हेतु GENERIC “हिंदी सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम” (सी.बी.सी.एस.)

विभाग का मुख्य उद्देश्य

विभाग का लक्ष्य

- छात्राओं का सर्वांगीण विकास करना।
- छात्राओं में सृजनात्मक क्षमता का विकास करना।
- हिंदी साहित्य अध्ययन के प्रति छात्राओं में रूचि उत्पन्न करना।
- विभिन्न अकादमिक गोष्ठियों, कार्यशालाओं आदि का आयोजन करना।
- विभिन्न साहित्यिक प्रतियोगिताओं का आयोजन करना।

रोजगार विकल्प :

- पाठ्यक्रम द्वारा साहित्य, भाषा, मीडिया, अनुवाद आदि के मध्य संतुलन स्थापित करना।
- व्यवसाय उन्मुख शिक्षा की ओर अग्रसर करना।
- हिंदी साहित्य के अध्ययन द्वारा युवा पीढ़ी को समाजोन्मुख और संवेदनशील बनाना ।
- एक सफल शिक्षक, पत्रकार, साहित्यकार, अनुवादक तथा अनेक सरकारी और गैर सरकारी नौकरी में छात्राओं को रोजगार के योग्य बनाना।

विभाग का सकारात्मक पक्ष

- 14 विभागीय सदस्य पीएच.डी उपाधि प्राप्त 2 सदस्य अध्यनरत
- विभाग में 3 आचार्या , 1 सह - आचार्या , 12 सहायक आचार्य
- पूर्व छात्राएँ : उच्चशिक्षा, मीडिया एवं शिक्षा के क्षेत्रों में संलग्न
- महाविद्यालय में मात्र हिंदी में ही स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम सम्मिलित

अध्यापन पद्धति

संवादात्मक- मैत्रीपूर्ण शिक्षण पद्धति।

अध्यापक की भूमिका जीवन और पुस्तकों के बीच सेतु।

विभिन्न शिक्षण विधियों द्वारा अध्ययन को रोचक बनाने का प्रयास।

मौलिक चिंतन और लेखन क्षमता के विकास पर बल।

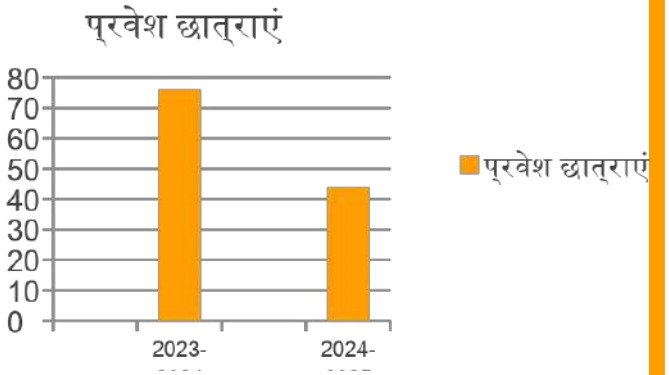
इलेक्ट्रोनिक, पीपीटी आदि के प्रयोग को प्रोत्साहन।

अध्यापन मात्र पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं, अपितु व्यावहारिक प्रयोग पर बल।

छात्राओं का संख्यात्मक विवरण

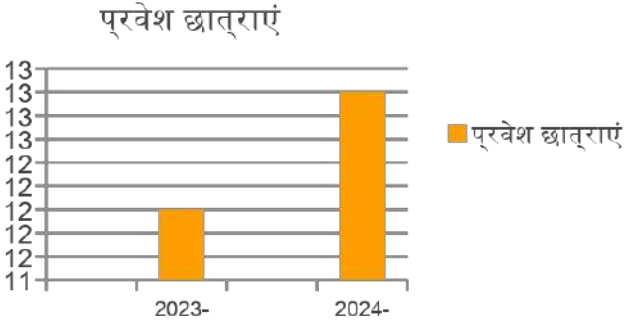
❖ बी.ए हिंदी विशेष

	तीन वर्षीय पाठ्यक्रम	चार वर्षीय पाठ्यक्रम
	2023 - 2024	2024 -2025
विद्यार्थियों की संख्या	70	43

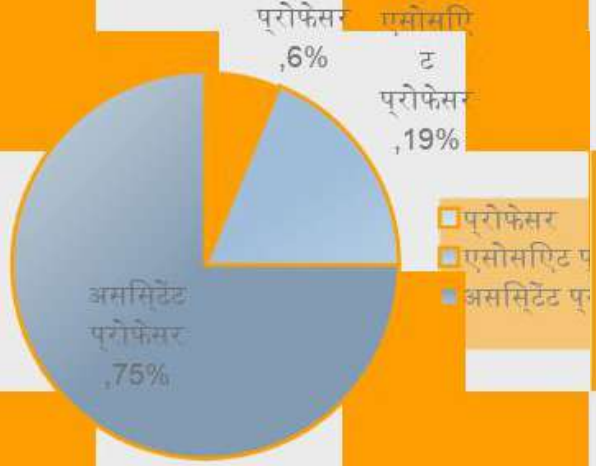


❖ एम.ए. हिंदी

	तीन वर्षीय पाठ्यक्रम	चार वर्षीय पाठ्यक्रम
	2023 - 2024	2024 - 2025
विद्यार्थियों की संख्या	11	11



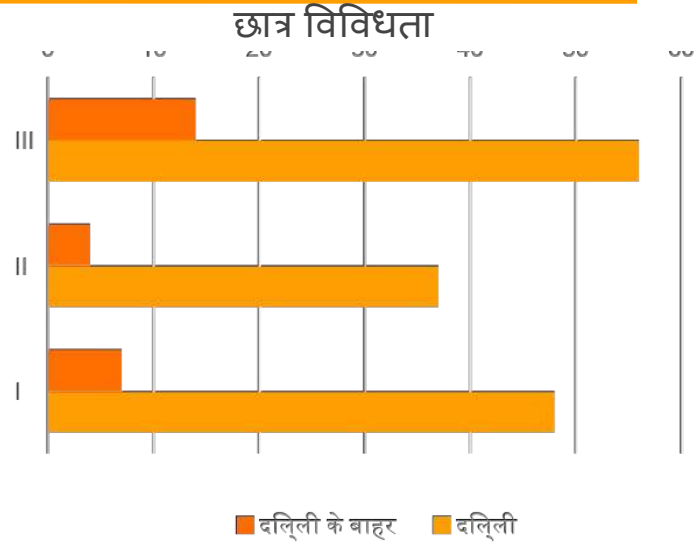
विभागीय शैक्षणिक स्तर

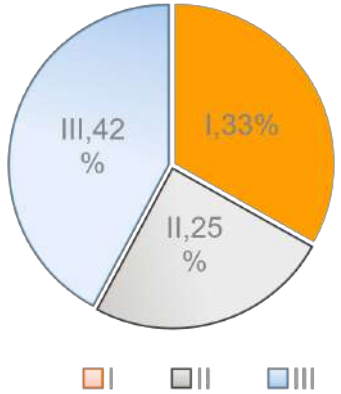




आचार्य	3
सह - आचार्य	1
सहायक आचार्य	12

संकाय विवरण और छात्र संख्या 2023-24





दिल्ली	दिल्ली के बाहर
48	7
37	4
56	14

स्वीकृत संख्या	78
I	55
II	41
III	70

बी.ए परीक्षा परिणाम

- बी.ए हिंदी विशेष (सी.बी.सी.एस. तीन वर्षीय पाठ्यक्रम)

सत्र	परीक्षार्थियों की संख्या	उत्तीर्ण		प्रथम श्रेणी	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
2023 - 2024	70	65	92.8%	63	97%
2024 - 2025	43				

एम.ए परीक्षा परिणाम

- एम.ए हिंदी विशेष (सी.बी.सी.एस. दो वर्षीय पाठ्यक्रम)

सत्र	परीक्षार्थियों की संख्या	उत्तीर्ण		प्रथम श्रेणी	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
2023- 2024	11	11	100%	11	100%
2024 - 2025	11				

वर्तमान कार्यरत विभागीय सदस्य

- प्रो. अनीता सिहमार : आचार्या
- प्रो. मन्जु शर्मा : आचार्या
- प्रो. संगीता रानी : आचार्या
- डॉ. प्रेम कुमारी सिंह : सह- आचार्या
- डॉ. गीता मीना : सहायक आचार्या
- डॉ. सविता जैमिनी : सहायक आचार्या
- डॉ. रेखा शर्मा : सहायक आचार्या
- डॉ. राजीव रंजन निराला : सहायक आचार्य
- डॉ. अभिषेक पुनीत : सहायक आचार्य
- डॉ. वसुंधरा शर्मा : सहायक आचार्या
- डॉ. गोल्डी कुमारी : सहायक आचार्या
- डॉ. गोपाल जिंगर : सहायक आचार्य
- डॉ. प्रत्यय अमृत : सहायक आचार्य
- सुश्री अनुप्रिया। : सहायक आचार्या
- सुश्री ललिता रतनू : सहायक आचार्या
- श्री प्रदीप कुमार : सहायक आचार्य



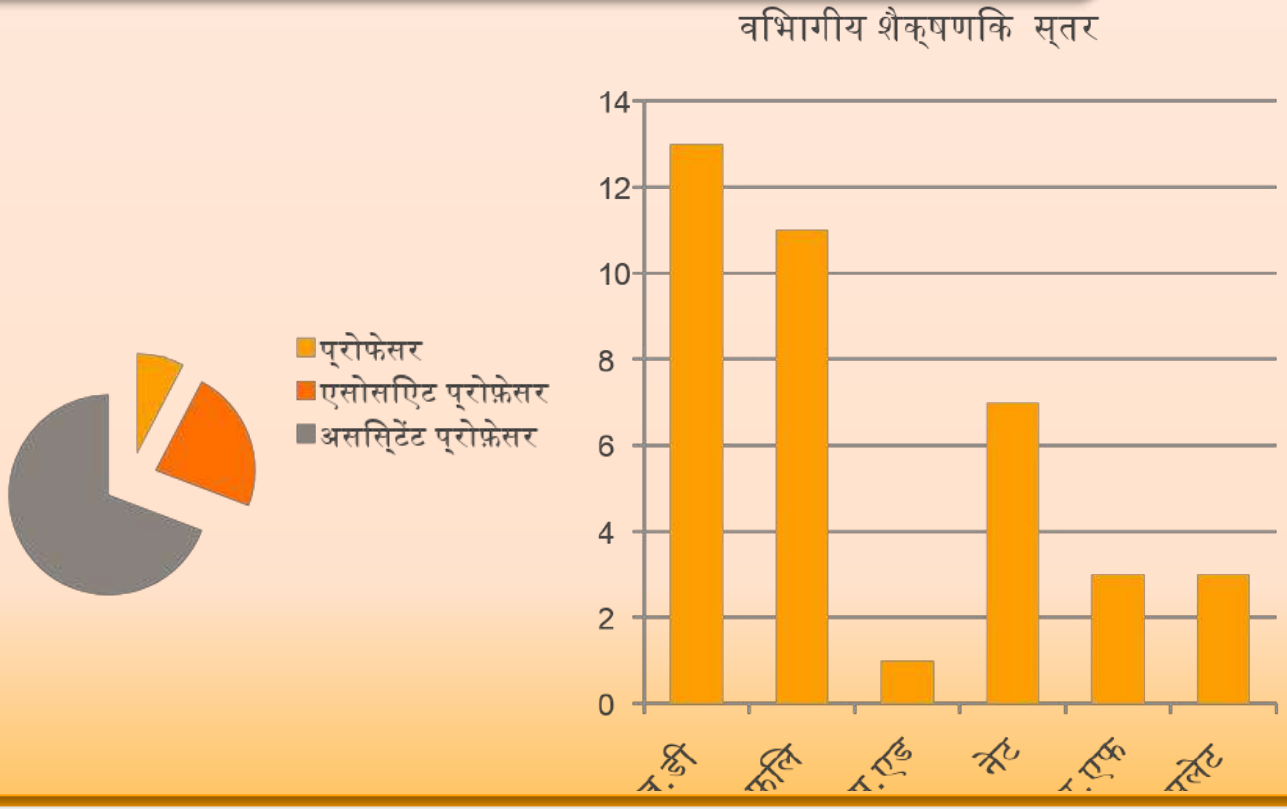
संकाय सदस्य और विशेषज्ञता

नाम	पद	शैक्षणिक योग्यता	विशेषज्ञता	शोध निर्देशन
प्रो. अनीता सिहमार	आचार्या	एम.ए.,एम. फिल. पी एच. डी .,नेट	उपन्यास, सिनमा, कबीर	01 शोधार्थी शोधरत
प्रो. मंजु शर्मा	आचार्या	एम.ए.,एम.एड. पी एच. डी .	मध्यकालीन एवं आधुनिक काव्य	02 शोधार्थी शोधरत
प्रो. संगीता रानी	आचार्या	एम.ए.,एम. फिल. पी एच. डी .,स्लेट	नाटक, पत्रकारिता	01 शोधार्थी शोधरत
डॉ. प्रेम कुमारी सिंह	सह-आचार्या	एम.ए.,एम. फिल. पी एच. डी .	कथा साहित्य	
डॉ. गीता मीना	सहायक आचार्या	एम.ए.,एम. फिल. पी एच. डी.	मध्यकालीन काव्य	

डॉ. सविता जैमिनी	सहायक आचार्या	एम.ए.,एम. फिल. पी एच. डी., स्लेट	कथा साहित्य	
डॉ. रेखा शर्मा	सहायक आचार्या	एम.ए.,एम. फिल. पी एच. डी .,नेट	नाटक	
डॉ. राजीव रंजन निराला	सहायक आचार्य	एम.ए.,एम. फिल. पीएच.डी, नेट	आधुनिक कविता	
डॉ. अभिषेक पुनीत	सहायक आचार्य	एम.ए. पी एच. डी .,नेट	भाषा विज्ञान, अनुवाद	01 शोधार्थी शोधरत
डॉ. वसुंधरा शर्मा	सहायक आचार्या	एम.ए. पी एच. डी .,नेट	नाटक और रंगमंच	

सुश्री ललिता रतनू	सहायक आचार्या	एम.ए. .,नेट	आधुनिक हिंदी कविता	
डॉ. गोपाल जिंगर	सहायक आचार्य	एम.ए. पी एच. डी .,नेट	अस्मितामूलक साहित्य	
डॉ. प्रत्यय अमृत	सहायक आचार्य	एम.ए. पी एच. डी .,नेट	आधुनिक हिंदी कविता एवं आलोचना	
श्री प्रदीप कुमार	सहायक आचार्य	एम.ए. पी एच. डी .,नेट	हिंदी कथा - साहित्य और यात्रा वृतांत	
सुश्री अनुप्रिया	सहायक आचार्या	एम.ए. .,नेट	आधुनिक हिंदी कविता	
डॉ. गोल्डी	सहायक आचार्या	एम.ए. पी एच. डी .,नेट	नाटक और रंगमंच	

विभागीय शैक्षणिक स्तर



छात्राओं की अकादमिक उपलब्धियां

हिंदी साहित्य और भाषा के प्रोत्साहन हेतु बी.ए (हिंदी विशेष), बी.ए (प्रोग्राम) में हिंदी पेपर, बी. कॉम (प्रोग्राम) में हिंदी में सर्वाधिक अंक लाने वाली छात्राओं को पूर्व संकाय सदस्यों द्वारा प्रायोजित पुरस्कार से सम्मानित किया जाता रहा है।



- दुर्गा प्रसाद गौड़ मेमोरियल (बी.ए हिंदी विशेष में सर्वाधिक अंक)
- उर्मिल मेमोरियल सरस्वती सम्मान (बी.कॉम में हिंदी में सर्वाधिक अंक)
- डॉ.सुधा गुप्ता मेमोरियल सम्मान (बी.ए हिंदी विशेष) में सर्वाधिक अंक)
- डॉ.सुधा गुप्ता मेमोरियल सम्मान (बी.ए प्रोगाम में हिंदी में सर्वाधिक अंक)

छात्राओं द्वारा प्रतियोगिताओं में प्राप्त पुरस्कार

छात्रा	कार्यक्रम	महाविद्यालय	स्थान
सलोनी सिंह 2024	वार्षिक पुरस्कार विजेता (दुर्गा प्रसाद गौड़ मेमोरियल)	भारती कॉलेज	सर्वाधिक अंक
एश्वर्या मिश्रा 2024	वार्षिक पुरस्कार विजेता (बावा रोहित भल्ला पुरस्कार)	भारती कॉलेज	सर्वाधिक अंक
तृप्ति ढाका 2024	वार्षिक पुरस्कार विजेता (गम्भीर मेमोरियल पुरस्कार)	भारती कॉलेज	सर्वाधिक अंक
सलोनी सिंह 2024	वार्षिक पुरस्कार विजेता (डॉ.सुधा गुप्ता मेमोरियल सम्मान)	भारती कॉलेज	सर्वाधिक अंक
पूजा कुमारी 2024	वार्षिक पुरस्कार विजेता (दुर्गा प्रसाद गौड़ मेमोरियल)	भारती कॉलेज	सर्वाधिक अंक

विषय विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान

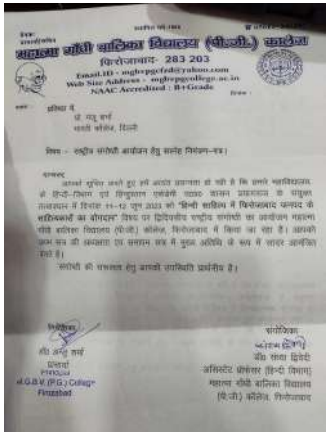


प्रो. मन्जु शर्मा





- भारतीय साहित्य और दर्शन संघ द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 21/05/2023 को प्रमुख अथिति वक्ता के रूप में आमंत्रित।
- महात्मा गांधी बालिका विद्यालय फ़िरोज़ाबाद द्वारा 11/06/2023 को राष्ट्रीय संगोष्ठी में वक्ता के रूप में आमंत्रित।
- भारतीय शिक्षा प्रणाली द्वारा आयोजित में 21/11/2023 को अथिति वक्ता के रूप में आमंत्रित।







संकाय संबंध और शैक्षणिक गतिविधियाँ 2024-25

सम्मेलन, कार्यशालाएँ और पीएचडी दीक्षांत समारोह शैक्षणिक गतिविधियों के प्रमुख मार्ग हैं, जिनमें ज्ञान का प्रसार, कौशल विकास और डॉक्टरेट अनुसंधान का समापन शामिल है।

















शक्ति-अशक्ति विश्लेषण

शक्ति

* योग्य, परिश्रमी और प्रतिबद्ध अध्यापक।
* छात्राओं और अध्यापकों का सौहार्द्रपूर्ण सम्बन्ध।
* भेदभाव रहित वातावरण।
* छात्राओं की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने वाले कार्यक्रम।
* साहित्यिक और आलोचनात्मक कृतियों से समृद्ध पुस्तकालय।

कमजोरियां

* आधारभूत संरचना सम्बन्धी समस्याएं।
* लगातार परिवर्तित होता पाठ्यक्रम।
* हिंदी की छात्राओं के लिए भाषा प्रयोगशाला का अभाव।

शक्ति -अशक्ति विश्लेषण

चुनौतियाँ

- छात्राओं का रूचि न होने पर भी कम अंकों के कारण प्रवेश लेना।
- हिन्दी शिक्षण को समकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप परिवर्तित करना।
- हिंदी भाषा के अस्तित्व को बनाए रखना।
- आपदा में भी शिक्षण की निरंतरता का प्रयास करना।

आगामी योजनाएँ

- साहित्य और मीडिया को मिल रही नई चुनौतियों पर राष्ट्रीय सेमिनारों का आयोजन।
- विभाग की एक मासिक पत्रिका का प्रकाशन करना।
- रोजगार उन्मुख कार्यशालाओं का आयोजन करना।
- विभागीय क्रियाकलापों द्वारा विभाग को उन्नत करना।

छात्र सहभागिता

भूमिका अभिनय



अनुकूल शिक्षण वातावरण





क्षेत्रीय सहभागिता









Academic Field Visits

A visit to National School of Drama



Capacity Building of students







Student's participation in Extra Curricular Activities













शैक्षणिक उपलब्धि प्राप्तकर्ता

अल्का और रितिका तिवारी (हिंदी ऑनर्स) दोनों ने 2023-24 शैक्षणिक सत्र के सभी तीन वर्षों में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के लिए पुरस्कार प्राप्त किए।



कंचन मिश्रा और सुश्री अंजलि, 2024-25 शैक्षणिक वर्ष में एम. ए. हिंदी की छात्राओं ने यूको बैंक से ₹5,000 का मेधावी छात्र पुरस्कार प्राप्त किया।





हिंदी अकादमी संगोष्ठी 2024-25











आमंत्रण पत्र

हिंदी विभाग, भारती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

सहयोग

एम. गोर्की विश्व साहित्य संस्थान, रूसी विज्ञान अकादमी

लियो टॉल्स्टॉय संग्रहालय 'यासनाया पोल्याना', रूस

प्राच्य कला संग्रहालय, मॉस्को

भारत में रूसी संघ का दूतावास, नई दिल्ली, भारत

रूसी सांस्कृतिक केंद्र, नई दिल्ली, भारत

नेशनल बुक ट्रस्ट

हिंदी विभाग, भारती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, उपर्युक्त प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कर रहा है। जिसमें अकादमिक समागम के अलावा पुस्तक प्रदर्शनी, चित्र प्रदर्शनी एवं हस्तशिल्प हाट मुख्य आकर्षण होंगे। इस महत्वपूर्ण अवसर पर हम आपको सादर आमंत्रित करते हैं।

विषय

"हिंदी और रूसी साहित्य में मातृभूमि की अवधारणा"

तिथि

24 एवं 25 फरवरी 2025

स्थान

सभागार, भारती कॉलेज

सी-4, दादा सतराम ममतानी मार्ग, जनकपुरी, नई दिल्ली – 110058

संयोजक

निदेशक
प्रो. (डॉ.) सलोनी गुप्ता

डॉ. सविता जैमिनी एवं
डॉ. गिरीश मुंजाल

सह-संयोजक
डॉ. अभिषेक पुनीत

कविता पाठ प्रतियोगिता











हिंदी और रूसी साहित्य में मातृभूमि की अवधारणा पर भारत- रूस सम्मेलन



















Inauguration











पुस्तक प्रदर्शनी




YUVA 2.0


Department of Hindi
Bharati College
presents
Book Exhibition
Hindi and Russian
Literary Works


"पढ़ने से वह
कोई आनंद नहीं,
और ज्ञान से वही
कोई सकता नहीं।"







फोटो प्रदर्शनी



समाचारों में हिंदी विभाग की चर्चा

रूसी साहित्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन



पश्चिमी दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली विश्वविद्यालय के भारती कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा प्रमुख रूसी संस्थानों के सहयोग से हिंदी और रूसी साहित्य का उत्सव मनाने के लिए दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का सफल आयोजन हुआ। यह आयोजन दोनों देशों के विद्वानों, साहित्य प्रेमियों और गणमान्य व्यक्तियों को साझा सांस्कृतिक और साहित्यिक विषयों पर चर्चा करने के लिए एक मंच पर लाया। सम्मेलन का शुभारंभ उद्घाटन समारोह से हुआ, जिसमें रूसी दूतावास के प्रतिनिधियों, शिक्षकों और विद्वानों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान फोटो प्रदर्शनी, पुस्तक प्रदर्शनी, और हस्तशिल्प हाट भी प्रस्तुत कराया गया। जिसके माध्यम से भारत और रूस के बीच सांस्कृतिक और साहित्यिक संबंधों को प्रदर्शित किया गया। लिया। प्राचार्या प्रो. सलोनी गुप्ता प्रो. अवनीश अवस्थी, रूसी विद्वान प्रो. वादीम वी. पोलीन्स्की, यूलिया, आर्यवेवा, प्रो. कुमुद शर्मा, डॉ. वैलेरिया एवडोकीमोवा, डॉ. अंजू बाला, डॉ. इलिया जाइत्सेव, डॉ. बोरिस डॉ. माजे सेलीमोव प्रो मंजू मुकुल कांबले व अन्य सम्मानित लोग उपस्थित रहे।

Thu, 27 February 2025
https://mpaper.punjabkesari.com/c/76884871

हिंदी और रूसी साहित्य में मातृभूमि की अवधारणा पर दिल्ली विश्वविद्यालय के भारती कॉलेज में हिंदी और रूसी साहित्य पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन



Posted on: 25 Feb 2025

Reporting by: धर्मेन्द्र सिंह

नई दिल्ली, भारत –दिल्ली विश्वविद्यालय के भारती कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा प्रमुख रूसी संस्थानों के सहयोग से हिंदी और रूसी

Not Secure — newskrantiindia.com — Private

Республика Индия
27-2-2025

О международной научной конференции "Понятие Родины в хинди и русской литературе"

24 февраля в Бхарати-колледже Делийского университета открылась международная научная конференция "Понятие Родины в хинди и русской литературе". Мероприятие собрало российских и индийских исследователей с целью обсуждения культурных, эмоциональных и философских связей, формирующих понимание Родины в различных литературных ландшафтах.

В состав российской делегации под руководством директора Института мировой литературы им. А.М.Горького РАН В.В.Полонского вошли представители Государственного музея искусства народов Востока, Музея Рерихов, музея-заповедника "Ясная Поляна", музея К.Г.Паустовского, Института русской литературы (Пушкинский дом) РАН, музея Л.Н.Толстого (Казань).

В приветственном слове к участникам конференции советник Посольства России в Индии Ю.Е.Аряева отметила важность кросскультурного подхода в исследовании национальной идентичности и чувства патриотизма в быстро меняющемся мире. "На полях" форума была открыта художественная выставка, подготовленная Музеем Рерихов при поддержке дипмиссии в Нью-Дели. Церемония инаугурации завершилась совместным концертом.

Дополнительные материалы

- Фото



हिंदी और रूसी साहित्य में मातृभूमि की अवधारणा पर हिंदी-रूस सम्मेलन

साहित्य में मातृभूमि की अवधारणा पर चर्चा

हिंदी और रूसी साहित्य पर भारती कॉलेज में आयोजित हुआ सम्मेलन

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के भारती कॉलेज में हिंदी और रूसी साहित्य पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन हुआ। इसमें हिंदी और रूसी साहित्य में मातृभूमि की अवधारणा पर चर्चा की गई।

आयोजन में रूसी दूतावास के प्रतिनिधियों, शिक्षकों और विद्वानों ने हिस्सा लिया। इस दौरान वक्ताओं ने तुलसीदास, जयशंकर प्रसाद और प्रेमचंद जैसे हिंदी साहित्यकारों के साथ-साथ निकोलाई करमजिन और इवान तुर्गेनेव जैसे रूसी साहित्यकारों के कार्यों पर विचार-विमर्श किया।

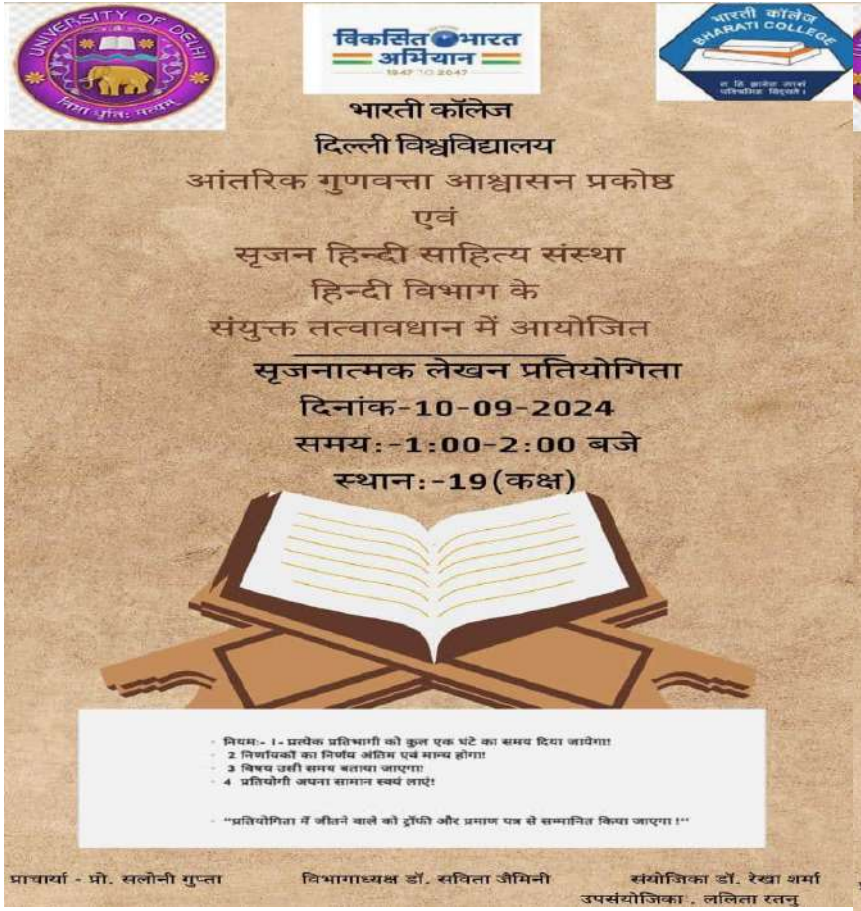
चर्चा में नदियों के प्रतीकात्मक महत्व, ऐतिहासिक साहित्य और हिंदी और रूसी कथाओं में मातृभूमि की बदलती अवधारणा पर भी प्रकाश डाला गया। सम्मेलन के दूसरे दिन विभिन्न सत्रों में साहित्यिक अनुवाद, नाट्य कला और भारतीय और रूसी साहित्यिक परंपराओं में देशभक्ति पर अंतर-विषयी दृष्टिकोणों पर आधारित सत्र अयोजित किए गए।

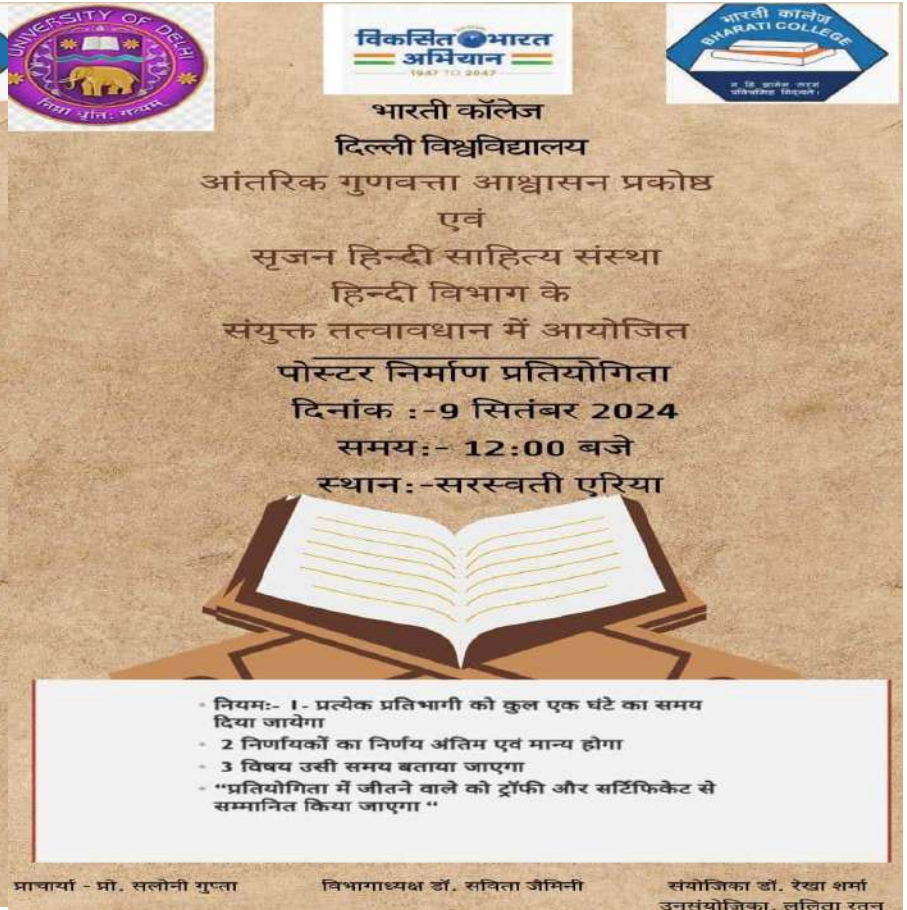


भारती कॉलेज में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में छात्र। अमर उजाला

दूसरे दिन का मुख्य आकर्षण रूसी वसंत उत्सव मास्लेनित्सा रहा, जो वसंत के आगमन और सर्दी को विदा करने का प्रतीक है। यह उत्सव खुशी और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का माहौल तैयार करने में कामयाब रहा। यहां छात्रों और शिक्षकों ने रूसी लोक खेलों, पैनकेक दावतों और रूसी मेहमानों के साथ रूप से संवाद किया। सम्मेलन के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी हुईं, जिसमें रूसी और भरतीय लोक नृत्य, शास्त्रीय संगीत और भारती कॉलेज की नॉर्थ ईस्टर्न सोसायटी द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया। आयोजन ने हिंदी और रूसी साहित्य में मातृभूमि की अवधारण पर एक नया दृष्टिकोण पेश किया। ब्यूरो

Srijan Activities





Srijan Activities









Srijan Activities





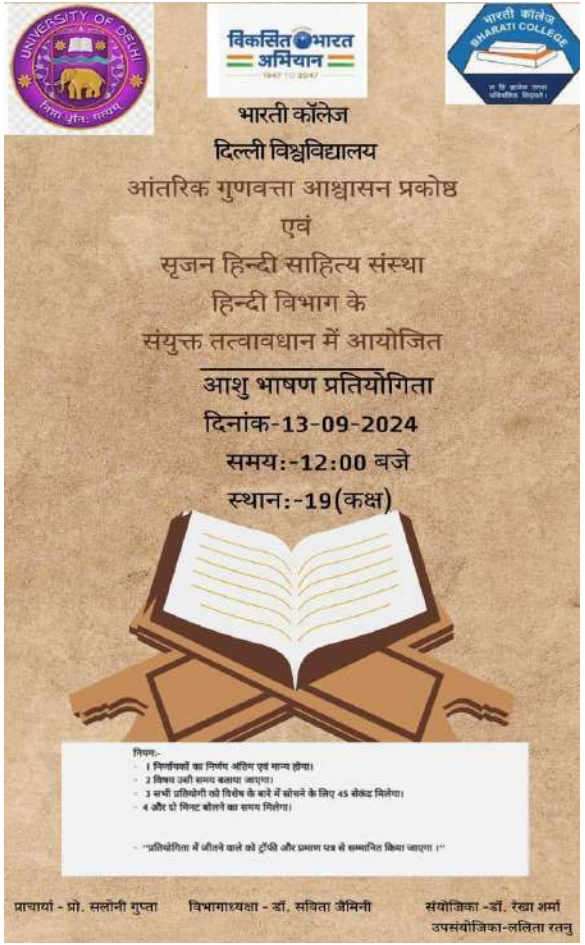


Srijan Activities





Srijan Activities











पूर्व छात्र एमए हिंदी (ऑनर्स) और बी. एड. जैसे पाठ्यक्रमों में नामांकन के माध्यम से उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं ।

यूजीसी नेट उत्तीर्ण

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय

यूपीएससी और बीपीएससी के अभ्यर्थी

मुथूट फाइनेंस में रिलेशनशिप एग्जीक्यूटिव के रूप में कार्यरत

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय

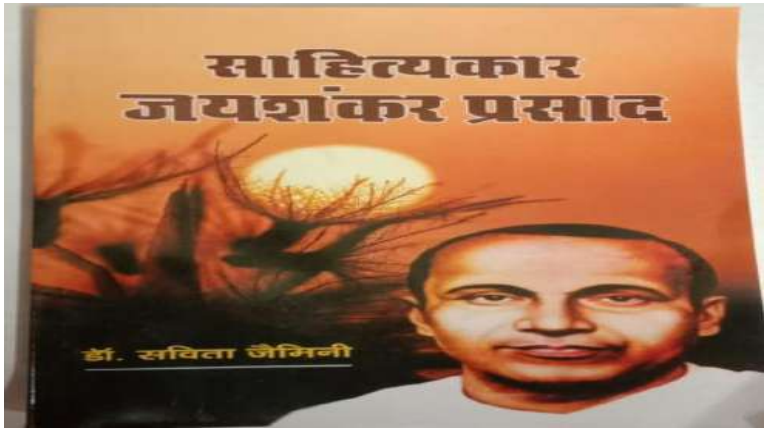
दिल्ली विश्वविद्यालय

केंद्रीय विद्यालय संगठन में संविदा शिक्षक

1. Isha UGC NET
2. प्रेरणा गुप्ता B ED बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी
3. मनीषा मीणा केंद्रीय विद्यालय संविदा अध्यापिका ,B ED ,M D University
4. देविका कनोजिया हेलो वेरिफाई कंपनी Executive
5. अंजलि upsc की तैयारी
6. कंचन मिश्रा Ph D BHU
7. नैन्सी M D university से B ED

Publications









छात्र संघ 2024-25

अध्यक्ष



पूजा पाण्डे
तृतीय वर्ष

उपाध्यक्ष



स्नेहा
द्वितीय वर्ष

सृजन हिंदी साहित्य संस्था
हिंदी विभाग

भारती महाविद्यालय ,दिल्ली विश्वविद्यालय

पदाधिकारी
2024-25

सह-सचिव



ईशा
प्रथम वर्ष

सचिव



शिल्पा शर्मा
तृतीय वर्ष

तृतीय वर्ष प्रतिनिधि



निशा
तृतीय वर्ष

CORE TEAM MEMBERS



2024-2025

प्रथम वर्ष प्रतिनिधि



रौनक
प्रथम वर्ष

द्वितीय वर्ष प्रतिनिधि



ईशा
द्वितीय वर्ष

सधन्यवाद।